सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.जे.एम.सी.

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य

2014-15

एमजेएमसी- 6	:	दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि
एमजेएमसी-7	:	विकासात्मक जनसंचार
एमजेएमसी-8	:	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
एमजेएमसी-9	:	मुद्रण,प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन
एमजेएमसी-11	:	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय

वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)

फोन/ फैक्स नं.-07152-247146

वेब साईटः www.hindivishwa.org

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्रीय कार्य 2014-15

(Assignment 2014 -15)

पाठ्यक्रम कोड: एम.जे.एम.सी.

प्रिय छात्र/छात्राओ

यह पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य हैं। इसमें निम्नलिखित चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं। और परियोजना कार्य है।

एमजेएमसी- 6	:	दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि
एमजेएमसी-7	:	विकासात्मक जनसंचार
एमजेएमसी-8	:	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
एमजेएमसी-9	:	मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन
एमजेएमसी-11	:	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

उद्देश्य: सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यो का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचार कर अपने शब्दों में लिखे। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार-व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

निर्देश: सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए:

1- अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2- अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस केंद्र (यदि लागू हों) का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध है।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा:

.....

अनुक्रमांक: ----------

नाम: ----------

पता: ----------

दिनांक: ----------

पाठ्यक्रम का नाम/कोड: ----------

सत्रीय कार्य कोड: ----------

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड (यदि लागू हो): ----------

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

3- उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4) के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4- प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5- अपनी लिखावट में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें:

1.प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।

2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओ के साथ।

(प्रो.संतोष भदौरिया)

पाठ्यक्रम संयोजक

सत्रीय कार्य भेजने का पता:
निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय
वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं.-07152-247146
वेब साईटः www.hindivishwa.org
सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि

पाठ्यक्रम कोड - एम.जे.एम.सी. 6

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-6/2014-15

कुल अंक - 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1. 21वीं शताब्दी में संचार माध्यमों की भूमिका पर विचार कीजिए। 10

2. टेलीविजन के मूल सिद्धांतो को स्पष्ट कीजिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3. दूरदर्श की संरचनागत विशेषताएं बताइए। 03

4. रेडियो की भाषा पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) इंटरनेट की उपयोबिता 02

   (ख) धारावाहिक लेखन 02

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

विकासात्मक जनसंचार

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी.7
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-7/2014-15
कुल अंक -30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1. विकासात्मक जनंसचार के अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

2. जनसंचार माध्यमों के विकास पर निबन्ध लिखिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3. उन्नत कृषि में जनसंचार माध्यमों की उपयोगिता का विश्लेषण कीजिए। 03

4. ग्रामीण विकास की प्रमुख समस्याएं बताइए। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) शैक्षणिक तकनीक 02

(ख) जनसंचार शोध 02

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी.8

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-8/2014-15

कुल अंक -30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1- भारत के प्रमुख लोकमाध्यमों पर निबंध लिखिए। **10**

2- भारत में पर्यावरण से संबंधित आंदोलनों का विश्लेषण कीजिए। **10**

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3- पर्यावरण और जनसंचार के सम्बन्धों को समझाए। **03**

4- भाषाई पत्रकारिता से क्या आशय है? स्पष्ट करें। **03**

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) लोक माध्यम **02**

(ख) पर्यावरण और कानून **02**

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्र 2013-14

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी.9

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-9/2014-15

कुल अंक -30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1. भारत में मुद्रण के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखें। 10

2. भारतीय पत्रकार संगठनों का विलेषण कीजिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3. मीडिया और विसापन के अर्न्तसम्बन्धों पर विचार कीजिए। 03

4. भारतीय प्रेस परिषद की विशेषताएं बताइए। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) डैक्स टॉप पब्लिशिंग (डी.टी.पी.) 02

(ख) समाचार समितियां 02

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 11

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-11/2014-15

कुल अंक 100

परियोजना कार्य, पत्रकारिता और जनसंचार विषय से संबंधित किसी भी विषय पर विद्यार्थी कर सकते हैं। विद्यार्थी के लिए आवश्यक है कि चुने हुए विषय पर परियोजना कार्य करने से पूर्व पाठ्यक्रम के संयोजक से चर्चा कर सहमति प्राप्त कर लें। नमूने के तौर पर यहाँ कुछ विषय दिए जा रहे हैं। विद्यार्थी चाहें तो इन विषयों पर भी परियोजना कार्य कर सकते हैं।

1. जनसंचार और आदिवासी समाज
2. अल्पसंख्यक समाज और मीडिया
3. वैकल्पिक पत्रकारिता के मॉडल
4. भारत में जनसंचार और सरकार
5. मीडिया और आम आदमी पार्टी
6. लोकतंत्र और मीडिया की भूमिका
7. जनसंचार में साहित्य का दख़ल
8. मीडिया और भारतीय लोक
9. मीडिया मुगल की अवधारणा
10. जनसंचार की भाषा